- 19th Year
- Issue: 318
- 01.04.2026 (WEDNESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया, मेड इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड का दिया मंत्र

सानंद ३१/०३ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद के सानंद जीआईडीसी में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया। यह भारत में इस प्रकार का दूसरा संयंत्र है और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। इसे भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक माना जा रहा है, क्योंकि यह मिशन को गति प्रदान करेगा। इससे पहले आज, महावीर जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर के महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में कोबा तीर्थ स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय का भी उद्घाटन किया।

अशोक के पोते सम्राट संप्रति के नाम पर स्थापित यह संग्रहालय जैन धर्म की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इससे पहले सोमवार को, गुजरात के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण श्रृंखला में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सानंद में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। यह इस श्रृंखला का दूसरा संयंत्र होगा, और यह सुविधा प्रतिदिन 7 लाख से अधिक चिप्स का उत्पादन करेगी। उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना भारत के एक नए तकनीकी युग में प्रवेश का प्रतीक है और चुनौतियों को अवसरों में बदलने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस दूसरी इकाई के साथ, हम इस भविष्यवादी उद्योग के युग में प्रवेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की खासियत चुनौतियों को अवसरों में बदलने की उनकी क्षमता रही है, मोधवाडिया ने एएनआई को बताया। इससे पहले, फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माइक्रोन सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया था।

नालंदा के शीतलाष्टमी मंदिर में भगदड़, आठ मौतों के बाद जांच के आदेश

नालंदा ३१/०३ (संवाददाता): नालंदा के मगरा स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में भीषण भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम आठ महिलाओं की मौत हो गई और कई घायल हो गए। श्रद्धालुओं के जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने से अफरा-तफरी मच गई। दो मृतकों की पहचान हो चुकी है- रीता देवी (50) और रेखा देवी (45), दोनों आसपास के इलाकों की रहने वाली थीं। घायलों का इलाज मॉडल अस्पताल में चल रहा है। यह घटना चैत्र माह के अंतिम मंगलवार को मंदिर में उमड़ी भीड़ के कारण हुई।बिहार के मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के परिवारों के लिए 6 लाख रुपये (आपदा प्रबंधन से 4 लाख रुपये + मुज़्यमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपये) की राशि की घोषणा की और घायलों के उचित इलाज के निर्देश दिए। मुज़्य सचिव को घटना की जांच करने का निर्देश दिया गया है। आगे की जानकारी जुटाने के लिए पटना आयुक्त को भी घटनास्थल पर भेजा गया है।

असम में गरजे राजनाथ सिंह, बोले-कांग्रेस ने राज्य के साथ हमेशा किया सौतेला व्यवहार

तेजपुर ३१/०३ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को असम की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और उस पर राज्य के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। असम के तेजपुर में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, सिंह ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत पर विश्वास व्यक्त किया। एनडीए उज़्मीदवार और असम गण परिषद के नेता पृथ्वीराज राभा के साथ सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने असम की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि की प्रशंसा की।

राजनाथ ने कहा कि असम की धरती संस्कृति और प्रकृति दोनों में समृद्ध है। असम की चाय की सुगंध न केवल भारत में, बल्कि विश्व भर में पाई जाती है। यह साहस की भूमि है और महान नायक लचित बोरफुकन की भी। असम के वीरों ने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। आपके इस जज्बे को देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि कोई भी ताकत यहां भाजपा सरकार के गठन को नहीं रोक सकती।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यह संकल्प लिया है कि असम की संस्कृति और पहचान सुरक्षित रहनी चाहिए। और इसीलिए हिमंता के नेतृत्व में दो इंजन वाली सरकार यहां काम कर रही है। असम ने अब भारत में एक विशिष्ट पहचान हासिल कर ली है। कांग्रेस ने हमेशा असम की उपेक्षा की है। यहां असम के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। कांग्रेस के कुशासन के कारण यहां की चर्चा उग्रवाद, गरीबी और अशांति के इर्द-गिर्द घूमती रही।

नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर

नालंदा ३१/०३ (संवाददाता): विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लिया और संस्थान की प्रगति की सराहना करते हुए इससे जुड़े होने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने परंपरा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति के संगम पर जोर देते हुए विश्वविद्यालय के भविष्य के लिए इस आयोजन के महत्व को रेखांकित किया और स्नातकों को इसकी प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। राजगीर में आज नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण में नालंदा की परंपरा एक सशक्त प्रभाव डाल सकती है। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ आज राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लेकर सज़्मानित महसूस कर रहा हूं। नालंदा भारत की बौद्धिक विरासत और सांस्कृतिक गौरव की स्मृतियों को ताजा करता है और दुनिया को याद दिलाता है कि प्रौद्योगिकी और परंपरा – विकास भी, विरासत भी – को साथ-साथ चलना चाहिए। जयशंकर ने विश्व विद्यालय के ऐतिहासिक महत्व और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में इसके पुनरुद्धार पर प्रकाश डाला और स्नातकों से नालंदा विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देकर, अपने कौशल और ज्ञान का सदुपयोग करते हुए, अपना योगदान वापस देने का आग्रह किया।

विविध समाचार

अशोक खारत केस में नया खुलासा, रेप से पहले पिलाता था खारा पानी, सामने आया फर्जी बाबा के काले साम्राज्य का सारा सच

नयी दिल्ली ३१/०३ (संवाददाता): नासिक के कथित ज्योतिषी अशोक खरात से जुड़ा दुष्कर्म मामला अब देशभर में चर्चा का केंद्र बन चुका है। इस पूरे प्रकरण में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं, जिससे न केवल अपराध की गंभीरता बढ़ी है बल्कि इसके सियासी और सामाजिक आयाम भी सामने आ रहे हैं। हम आपको बता दें कि स्थानीय मजिस्ट्रेट कोर्ट ने रविवार को अशोक खरात की पुलिस हिरासत 1 अप्रैल तक बढ़ा दी है। जांच अधिकारियों ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और जब्त किए गए मोबाइल फोन की क्लोन कॉपी का विश्लेषण किया जाना बाकी है। इसके लिए डिजिटल विशेषज्ञों की जरूरत है और यह प्रक्रिया आरोपी की मौजूदगी में ही पूरी की जाएगी। बताया जा रहा है कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम यानी एसआईटी ने राज्य फोरेंसिक प्रयोगशाला से मोबाइल डेटा की क्लोन कॉपी प्राप्त कर ली है। अब तक आरोपी के खिलाफ 10 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें से 8 मामले दुष्कर्म से जुड़े हैं।

इस बीच, सहायक सरकारी वकील शैलेंद्र बागाडे ने अदालत में बताया कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि आरोपी ने कई अहम संपर्कों के नंबर फर्जी नामों से सेव कर रखे हैं, जिससे जांच में बाधा आ रही है। जांच एजेंसियां आरोपी की चल और अचल संपत्तियों की भी जांच कर रही हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि कहीं उसने संपत्ति अपने नाम के अलावा अन्य लोगों के नाम पर तो नहीं बनाई।

बताया जा रहा है कि जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिलाओं को नशीला पदार्थ देकर उनका शोषण करता था। एक पीड़िता ने बताया कि उसे पीने के लिए खारा और कड़वा पानी दिया गया, जिसके बाद उसे चक्कर आने लगे और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। एसआईटी अब इस बात की जांच कर रही है कि उस पानी में क्या मिलाया गया था और इसका स्रोत क्या था। इसके अलावा यह भी सामने आया है कि आरोपी महिलाओं को मिठाई या पेय पदार्थ में नशीला तत्व मिलाकर उन्हें बेहोश या सम्मोहित करता था।

यह भी बताया जा रहा है कि आरोपी महिलाओं को अंधविश्वास और तथाकथित धार्मिक प्रक्रियाओं के नाम पर अपने जाल में फंसाता था। इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न खबरों और जांच से जुड़े सूत्रों

के अनुसार, वह महिलाओं को यह विश्वास दिलाता था कि उनकी समस्याओं का कारण शारीरिक और आध्यात्मिक अशुद्धि है, जिसे दूर करने के लिए विशेष प्रक्रिया करनी होगी।

इसी बहाने वह कथित रूप से योनि शुद्धिकरण जैसी भ्रामक और आपत्तिजनक प्रक्रिया का हवाला देता था। पीड़िताओं को विश्वास में लेकर वह इस प्रक्रिया को जरूरी बताता और फिर उसी के नाम पर उनके साथ दुष्कर्म करता था। कई मामलों में महिलाओं को पहले नशीला पदार्थ दिया जाता था, जिससे वह विरोध करने की स्थिति में नहीं रहती थीं। जांच एजेंसियां अब इस पूरे तरीके यानी उसके काम करने के पैटर्न की गहराई से जांच कर रही हैं, ताकि यह समझा जा सके कि उसने किस तरह लंबे समय तक महिलाओं को धोखे में रखकर इस अपराध को अंजाम दिया।

यह भी बताया जा रहा है कि जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी ने 150 से अधिक महिलाओं का शोषण किया हो सकता है। पुलिस ने आरोपी के कार्यालय से लैपटॉप और मोबाइल जब्त किए हैं, जिनसे कई अहम जानकारियां मिली हैं। उसके बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है और संपत्तियों को सील कर दिया गया है।

साथ ही इस मामले में एक और चिंताजनक पहलू सामने आया है। आरोपी से जुड़े कथित अश्लील वीडियो और फोटो इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं।

कुछ प्लेटफार्म पर इन वीडियो को बेचने तक की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया मंचों पर इन वीडियो के पैकेज सैकड़ों रुपये में बेचे जा रहे हैं। हालांकि जांच में यह भी सामने आया है कि कई वीडियो कृत्रिम तकनीक से बनाए गए हो सकते हैं। पुलिस ने ऐसे वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

उधर, यह मामला अब राजनीतिक रंग भी ले चुका है। कई नेताओं ने आरोप लगाया है कि आरोपी के संबंध प्रभावशाली लोगों से थे, जिससे वह लंबे समय तक बचता रहा। इस मामले में एनसीपी नेता रूपाली चाकणकर का नाम भी सामने आया है, जो एक ट्रस्ट से जुड़ी बताई जा रही हैं। हालांकि एसआईटी ने इस पर टिप्पणी करने से इंकार किया है। वहीं कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार और अन्य नेताओं ने आरोप लगाया है कि कई अधिकारी और प्रभावशाली लोग आरोपी के संपर्क में थे। दूसरी ओर कुछ नेताओं ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया है। देखा जाये तो यह मामला अब केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इतने गंभीर आरोपों के बावजूद आरोपी इतने लंबे समय तक बचा कैसे रहा? विशेषज्ञों का मानना है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच बेहद जरूरी है, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और दोषियों को सजा।

बहरहाल, अशोक खरात मामला देश में महिला सुरक्षा, डिजिटल अपराध और राजनीतिक संरक्षण जैसे मुद्दों को एक साथ सामने लाता है। जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है, नए खुलासे इस केस को और जटिल बना रहे हैं। अब सभी की नजरें एसआईटी की जांच और अदालत के अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

असम में सीएम हिमंता का बड़ा ऐलान, लव जेहाद और यूसीसी पर तीन महीने में लायेंगे कानून

गुवाहाटी ३१/०३ (संवाददाता): असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि सज़ा में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी असम को उस मुकाम तक ले जाएगी जहां वह राष्ट्र के विकास में एक अहम भूमिका निभाएगा, न कि एक आश्रित राज्य बनकर रह जाएगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सरमा ने बताया कि भाजपा असम के आदिवासी और जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करेगी। सरकार लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी लाएगी।

हिमंता ने कहा कि सज़ा में वापस आने के बाद, असम के आदिवासी और अन्य जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना, हम तीन महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। हम लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी ला रहे हैं। सरमा ने आगे कहा कि अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950

को भी लागू किया जाएगा, जो 24 घंटे के भीतर अवैध अप्रवासियों को कानूनी रूप से निष्कासित करने का अधिकार देगा।

उन्होंने कहा कि हम असम के जिला आयुक्तों को अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को लागू करने का अधिकार देंगे, जिसके तहत जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को 24 घंटे के भीतर किसी भी विदेशी को निष्कासित करने का अधिकार है। हम अपनी भूमि पर अवैध रूप से कब्ज़ा करने वालों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हम बांग्लादेशी घुसपैठियों से अपनी जमीन का एक-एक इंच सुरक्षित करेंगे, उन्होंने आगे कहा।रोजगार क्षेत्र पर बोलते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि युवाओं के लिए कम से कम 2 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। इसके साथ ही, सरकार का उद्देश्य महिलाओं के मासिक भत्ते में वृद्धि करना, समाज के गरीब वर्ग को आश्रय उपलब्ध कराना और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि हमने 2 लाख सरकारी नौकरियां सृजित करने, महिलाओं को मिलने वाले मासिक भत्ते को 1500 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये करने और चरणबद्ध तरीके से 15 लाख सबसे गरीब लोगों के लिए घर बनाकर आश्रय प्रदान करने का संकल्प लिया है। हम अपने चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार भी देंगे और उनकी दैनिक मजदूरी बढ़ाएंगे।

सेमीकंडक्टर मिशन पर अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान, इस साल तैयार होंगे चार प्लांट

नयी दिल्ली ३१/०३ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 2032 तक वैश्विक स्तर पर शीर्ष 6 रैंकिंग हासिल करने के उद्देश्य से भारत के त्वरित सेमीकंडक्टर रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। नए संयंत्रों और पारिस्थितिकी तंत्र पर विस्तृत जानकारी दी गई। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि भारत में 2026 तक चार सेमीकंडक्टर संयंत्र तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने गुजरात में एक नए संयंत्र के उद्घाटन के बाद इस क्षेत्र के लिए एक त्वरित रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सानंद में केयन्स सेमीकॉन के ओएसएटी संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद, वैष्णव ने कहा कि 2026 में चार संयंत्र तैयार होंगे और 2027 में दो संयंत्र। भारत की पहली फैब्रिकेशन इकाई 2028 तक धोलेरा में तैयार हो जाएगी। उन्होंने बताया कि सानंद इकाई देश का दूसरा सेमीकंडक्टर संयंत्र है जिसका उद्घाटन लगातार दो वर्षों में किया गया है। उन्होंने कहा कि माइक्रोन टेक्नोलॉजी के पहले

संयंत्र का उद्घाटन 28 फरवरी को हुआ था और आज, 31 मार्च को, दूसरे संयंत्र का उद्घाटन किया गया है। तीसरे संयंत्र का उद्घाटन जुलाई में किया जाएगा। कार्यान्वयन की कार्यगति पर प्रकाश डालते हुए, वैष्णव ने कहा कि यह संयंत्र मात्र 14 महीनों में नींव रखने से लेकर वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुँच गया। उन्होंने आगे कहा कि यह विकास भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है और इसने देश भर के इंजीनियरों और छात्रों को प्रोत्साहित किया है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बारे में मंत्री ने कहा कि हमें गुणवत्ता और लागत के मामले में जीत हासिल करनी होगी; तभी हम विश्व में अपनी स्थिति बनाए रख सकेंगे और उसे मजबूत कर सकेंगे।

माओवादी विचारधार पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला, रिजिजू ने की राहुल-सोनिया से पूछताछ की मांग

नयी दिल्ली ३१/०३ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वामपंथी उग्रवाद से जुड़े व्यक्तियों से मुलाकातों के संबंध में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से पूछताछ की मांग की है। 31 मार्च को नई दिल्ली में बोलते हुए, रिजिजू ने लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ सरकार के प्रयासों पर दिए गए बयानों का जवाब दिया। रिजिजू ने कहा कि नक्सलवाद पर केंद्र का रुख बिल्कुल स्पष्ट है और यह उग्रवादी विचारधारा से जुड़ी वर्षों की हिंसा पर आधारित है। रिजिजू ने कहा कि अगर आप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान ध्यान से सुनें, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है। जब वामपंथी उग्रवाद पूरे देश में फैला, तो आम लोगों ने अपनी जान गंवाई, हजारों सुरक्षा बलों के जवान शहीद हुए, यहां तक ??कि कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी मारे गए। विपक्ष को सीधे संबोधित करते हुए रिजिजू ने आगे कहा कि अब राहुल गांधी और सोनिया गांधी

वामपंथी उग्रवाद और माओवादी विचारधारा फैलाने वाले नेताओं से मिल रहे हैं। इसलिए, सिर्फ हमसे सवाल न करें। कांग्रेस नेताओं से सवाल किए जाने चाहिए। कांग्रेस के लोग भी मारे जा रहे हैं। ये टिप्पणियां अमित शाह द्वारा संसद में भारत को नक्सल-मुक्त घोषित करने के बाद आईं, जिसे उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया। शाह ने जोर देकर कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं उपजा, बल्कि प्रभावित क्षेत्रों में विकास में बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने राहुल गांधी पर नक्सलियों और उनके समर्थकों से बार-बार मिलने का आरोप लगाया और दावा किया कि कई नक्सलवादी संगठनों ने कांग्रेस नेता की भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया था।

शाह ने कहा कि अपने लंबे राजनीतिक करियर के दौरान, राहुल गांधी को कई मौकों पर नक्सलियों और उनके समर्थकों के साथ देखा गया। इस बात के रिकॉर्ड मौजूद हैं कि कई नक्सलवादी संगठनों ने भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया था। 2010 में, ओडिशा में, उन्होंने लाडो सिकोका (नक्सल नेता) के साथ मंच साझा किया था। उसी मंच से, सिकोका ने भड़काऊ भाषण दिया और राहुल गांधी को माला भी पहनाई। शाह ने नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा अभियानों का भी विस्तृत विवरण दिया- 4,839 ने आत्मसमर्पण किया है, 2,218 को जेल भेजा गया है, और 706 जो छिपे हुए थे, पुलिस मुठभेड़ों में मारे गए।

बंगाल में सियासी बवाल, ममता के पोस्टर वाले बयान पर भाजपा पहुंची चुनाव आयोग

कोलकाता ३१/०३ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को भंग करने वाले भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। शिकायत में मतदाताओं को डराने-धमकाने के विशिष्ट उदाहरणों का हवाला देते हुए पार्टी ने कहा 25 मार्च 2026 को उत्तरी बंगाल के मैनागुड़ी में एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर कहा था कि चुनाव के बाद जनता को अपने घरों के बाहर %मैं भाजपा का समर्थन नहीं करता% लिखे पोस्टर लगाने के लिए मजबूर किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में कहा गया, महोदय, हम आपका ध्यान उन अत्यंत चिंताजनक सार्वजनिक बयानों और घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहते हैं जो उकसावे, डराने-धमकाने और हिंसा भड़काने के एक सुनियोजित अभियान की ओर इशारा करते हैं। ये बयान चल रही चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं, साथ ही आदर्श आचार संहिता, चुनावी और आपराधिक कानूनों का बार-बार उल्लंघन भी कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य भर में कई सार्वजनिक रैलियों में दिए गए हालिया गंभीर और परेशान करने वाले सार्वजनिक बयान मतदाताओं में भय पैदा करने और उन्हें धमकाने के उद्देश्य से लगातार चिंताजनक बयानबाजी का एक पैटर्न दर्शाते हैं, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। पत्र में आगे लिखा था, हम नीचे कुछ उदाहरण दे रहे हैं- 25 मार्च 2026 को उत्तरी बंगाल के मैनागुड़ी में एक सार्वजनिक रैली के दौरान, मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर कहा कि चुनाव के बाद, जनता को अपने घरों के बाहर पोस्टर लगाने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिन पर लिखा होगा, %मैं भाजपा का समर्थन नहीं करता%।卐 इस तरह की टिप्पणियां राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मतदाताओं की स्वायत्तता के लिए सीधा खतरा हैं।इस बीच, मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर बंगाल की जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ रची जा रही गंभीर साजिश पर गहरी चिंता जताई है।

ममता बनर्जी का लेटर बम, बोलीं-फर्जी वोटर घुसाकर लोकतंत्र की चोरी कर रहा भाजपा

कोलकाता ३१/०३ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि मैंने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर बंगाल की जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ रची जा रही गंभीर साजिश पर गहरी चिंता व्यक्त की है। भाजपा के एजेंट पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन भेजकर गैर-निवासियों और बाहरी लोगों को बंगाल की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए हैं।

यह मतदाता अपहरण का प्रयास है, वही गंदा खेल जो भाजपा ने महाराष्ट्र और दिल्ली में सफलतापूर्वक खेला है।

वास्तविक मतदाता आवेदनों के निपटारे में देरी की ओर इशारा करते हुए बनर्जी ने दावा किया, जबकि 60 लाख से अधिक वास्तविक मतदाता अभी भी विचाराधीन हैं और दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया के कारण 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, चुनाव आयोग अब संदिग्ध रूप से बंद दरवाजों के पीछे इन फर्जी आवेदनों पर कार्रवाई करने में जल्दबाजी कर रहा है।

यह न केवल अवैध है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के विरुद्ध है, बल्कि बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों पर सीधा हमला है।

उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, मैंने चुनाव आयोग से इस अलोकतांत्रिक प्रक्रिया को तुरंत रोकने, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन करने और यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि 28.02.2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद कोई भी फर्जी मतदाता शामिल न हो। बंगाल अपनी लोकतंत्र को दिन दहाड़े चोरी होने नहीं देगा।

बंगाल की जनता देख रही है। पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अब भाजपा द्वारा चुनाव आयोग के साथ मिलकर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों में हस्तक्षेप करने के एक और सुनियोजित प्रयास को देख रहे हैं। विश्वसनीय रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि भाजपा के एजेंटों द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय और कई जिलों में बड़ी संख्या में फॉर्म 6 आवेदन जमा किए जा रहे हैं। ये मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए सामान्य आवेदन नहीं लगते, बल्कि मतदाता सूची में गैर-निवासियों को शामिल करने की एक शरारती चाल प्रतीत होती है।

पत्र में लिखा है कि इस बात को लेकर गंभीर चिंताएं हैं कि ये आवेदन उन व्यक्तियों से संबंधित हो सकते हैं जो बंगाल के वास्तविक निवासी नहीं हैं और जिनका राज्य से कोई वैध संबंध नहीं है। इसी तरह के मामले बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनावों से पहले भी देखे गए थे। उन्होंने पत्र में आगे लिखा, 卐यदि ये बातें सच हैं, तो ये अवैध, असंवैधानिक और मौलिक रूप से अलोकतांत्रिक होंगी, जो दुर्भावनापूर्ण इरादे और बुरे इरादों को दर्शाती हैं। यह किसी संवैधानिक प्राधिकरण से अपेक्षित मानक नहीं है। जनता को पारदर्शिता और अपने मतदान अधिकारों की सुरक्षा का अधिकार है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

सबसे बेहतर माना जाता है ओ निगेटिव ब्लड

शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम खून करता है। इंसान के खून का रंग बेशक लाल है लेकिन इसके कई ग्रुप हैं और हर सभी लोगों के शरीर में अलग-अलग ग्रुप का खून पाया जा सकता है। वास्तव में आपका ब्लड टाइप क्या है, यह आपको विरासत में मिले जीनों द्वारा निर्धारित होता है। आपके खून का प्रकार कोई भी हो, आपके द्वारा डोनेट किये ब्लड किसी की जिंदगी बचाने का काम कर सकता है। जब बात यह होती है कि सबसे बढ़िया खून कौन सा होता है, तो ओ निगेटिव ब्लड को सबसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इस ग्रुप के लोग किसी को अपना खून दे सकते हैं। थोड़ी गड़बड़ी यह है कि इस समूह के लोग सिर्फ इसी ग्रुप का ब्लड ले सकते हैं। ओ निगेटिव ब्लड के लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, यह खास तरह का खून है, जो किसी की भी जिंदगी बचा सकता है इसलिए इस समूह के लोगों को इसकी हिफाजत करना जरूरी है। इसके लिए आपको खाने-पीने का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपनी डाइट में नीचे बताए खाद्य पदार्थों को जरूरी शामिल करना चाहिए।

नट्स

नट्स प्रोटीन और हेल्दी फैट का एक बड़ा स्रोत है। ब्लड हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए आपको नट्स का खूब सेवन करना चाहिए। आपको रोजाना अखरोट, हेजलनट्स और बादाम सहित कद्दू के बीज आदि का सेवन करना चाहिए।

एनिमल प्रोटीन

इस समूह के लोगों को अपनी डाइट में एनिमल प्रोटीन जरूरी शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मांस और मछली का खूब सेवन करना चाहिए। यह चीजें आपके खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती है।

डेयरी उत्पाद

ओ ब्लड ग्रुप टाइप वाले लोगों को अपने खाने में मक्खन, पनीर और सोय दूध जैसे डेयरी उत्पादों को शामिल करना चाहिए। यह चीजें न सिर्फ खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि शरीर के लिए बढ़िया काम करती है।

बीन्स

टाइप ओ ब्लड वाले लोगों को बीन्स का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बीन्स उनकी सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आपको अपनी डाइट में लाल कलियां, पिंटो बीन्स और ब्लैक बीन्स आदि को शामिल करना चाहिए।

साबुत अनाज

आपका ब्लड टाइप ओ पॉजिटिव हो या निगेटिव, आपको साबुत अनाज का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको अपने खाने में चौलाई, अनाज, खावल और बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल-सब्जियों का सेवन

ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को टमाटर, लहसुन, गोभी, भिन्डी, प्याज, अजमोद, लाल मिर्च, शकरकंद और शलजम जैसी सब्जियों का खूब सेवन करना। इनमें वो सभी पोषक तत्व होते हैं, जो खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अगर बात करें फलों की तो आप प्लम, ड्राई प्लम, अंजीर, चकोतरा और सभी तरह की बेरीज खा सकते हैं।

इन लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?

- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

- ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं।
- नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, किनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए इन चीजों का सेवन जरूरी

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए।

आयरन की कमी से होने वाले रोग

आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय

इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन बेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?

- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन

खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके

- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलिया खाएं

यूरिक एसिड बढ़ने से हो सकती है किडनी की पथरी की समस्या

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला

आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी

लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक

गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें पाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी

गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्सट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की दवा है नीम

नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

बुधवार 01 अप्रैल 2026

दलित क्या पानी पीने के हकदार नहीं

देश में धार्मिक और जातीय भेदभाव के कारण समाज में जो दुश्मनी का माहौल बन गया हैए अब उसमें इसी तरह इंतिकाम यानी बदला लेने की घटनाएं हो रही हैं। तमिलनाडु के पुडुकोट्टई जिले के वेंगईवयाल गांव में एक झकझोरने वाला मामला सामने आया है। इस गांव के बच्चे पिछले कुछ दिनों से बीमार पड़ रहे थे। डाक्टर ने बीमारी का पता लगाने के लिए पानी की जांच करने कहा। गांव में जिस पानी की टंकी से आपूर्ति होती थीए उस पर चढ़कर देखा गया तो पानी पीला नजर आया। जांच के बाद पता चला कि लगभग 10 हजार लीटर वाली इस पानी टंकी में किसी ने बड़ी मात्रा में मानव मल डाल दियाए ताकि पानी दूषित हो जाए। यह अमानवीय कृत्य केवल इसलिए हुआए क्योंकि वेंगईवयाल गांव आज भी दलित विरोधी मानसिकता से जकड़ा हुआ है। एक और चिंताजनक और हैरान करने वाली बात ये है कि यह खबर देते हुए कुछ लोगों ने अनुसूचित या दलित समुदाय के लिए बनी पानी टंकी लिखा है। हमने प्रेमचंद की कहानी ठाकुर का कुआं तो पढ़ी हैए लेकिन आजादी के अमृतकाल में भी अगर दलितों की पानी टंकी पढ़ना पड़ेए तो ये समझना कठिन नहीं है कि आजादी का अमृत केवल सवर्ण.संपन्न तबकों के लिए ही है। गरीब पहले भी गुलाम थेए अब भी उनके हालात गुलामों की तरह ही बदतर हैं। जिस गांव में दलितों के पानी पीने पर भी साजिश रची गईए वहां इस बात का भी खुलासा हुआ है कि यहां जातिगत भेदभाव हर जगह है। गांव में चाय की दुकान पर दलितों के लिए अलग गिलास रखे हुए हैं। दलितों का ये भी कहना है कि उन्हें तीन पीढ़ियों से मंदिर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं है। पानी टंकी को मानव मल से दूषित करने की शिकायत के बाद जब यहां की जिलाधिकारी कविता रामू और पुलिस अधीक्षक वंदिता पांडे गांव में पहुंचीं तब लोगों ने इन सारे भेदभाव की शिकायत की। बताया जा रहा है कि जिस चाय दुकान में दलितों के लिए अलग गिलास रखने का रिवाज थाए उसके मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। दलितों को मंदिर में प्रवेश दिलवाने की पहल भी जिलाधिकारी ने की। उन्होंने कहा कि मंदिर के दरवाजे सभी के लिए खुले होने चाहिए और सभी को यहां दर्शन की अनुमति दी जानी चाहिए। भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए यहां कैमरे लगाए जाएं। जिलाधिकारी दलित समुदाय के लोगों को मंदिर के अंदर ले गईं। लेकिन खबरों के मुताबिक जिस समय जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक वहां पहुंचीं तो वहां पर पूजा चल रही थीए उसी दौरान कथित रूप से ऊंची जाति की एक महिला ने अपने शरीर में देवता के आने की बात कही और कहा कि नीची जाति के लोगों को मंदिर में प्रवेश नहीं करना चाहिए। अगर यह बात सही है तो फिर यह समझ लेना चाहिए कि जिलाधिकारी की इस स्वागतयोग्य पहल का कोई भविष्य नहीं है। दरअसल जाति की बेड़ियों ने समाज को इस तरह बांधा हुआ है कि उसे टूटने में सदियां लग जाएंगी। वैसे यह विचारणीय है कि वेंगईवयाल गांव में अगर पानी टंकी का दुखद प्रकरण घटित नहीं होताए तो क्या पुडुकोट्टई जिला प्रशासन को दलितों के साथ हो रहे भेदभाव की खबर लग पाती। अगर तीन पीढ़ियों से दलितों को मंदिर प्रवेश नहीं मिला थाए तो यह बात पहले से प्रशासन के संज्ञान में क्यों नहीं थी। जो भेदभाव जिले के एक गांव में हुआ हैए क्या अन्य गांवों.शहरों का भी वही हाल नहीं होगा। दुखद बात ये है कि दलितों के साथ ये अन्याय उस तमिलनाडु में हुआए जो ई वी रामास्वामी पेरियार की जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों रहीं। पेरियार ने पूरी जिंदगी अंधविश्वासए अतार्किकताए रूढ़िवादी विचारों और ब्राह्मणवाद की मुखालफ्त की। उन्हें हिंदू धर्म के खिलाफबताया जाता हैए लेकिन असल में वे सभी संगठित धर्मों के खिलाफथे। पेरियार हर तरह के भेदभाव के खिलाफथेए चाहे वह जाति या धर्म को लेकर हो या फिर लैंगिक आधार पर। इसलिए उन्होंने बाल विवाह के उन्मूलनए विधवा महिलाओं की दोबारा शादी के अधिकारए पार्टनर चुनने या छोड़नेए शादी को इसमें निहित पवित्रता की जगह पार्टनरशिप के रूप में लेनेए आदि के लिए अभियान चलाया था।

भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए नौसेना के विस्तार की आवश्यकता

नन्तु बनर्जी

भारतीय नौसेना की वर्तमान बेड़े की ताकत उत्तर कोरियाए कोलंबियाए मिस्रए थाईलैंड और ईरान की तुलना में भी कम है। 2020 तकए भारतीय नौसेना की वास्तविक बेड़े की ताकत की तुलना में पीएलएएन के बेड़े का आकार ;विमान वाहक और पनडुब्बियों सहित 777 युद्धपोतद्ध काफी बड़ा था। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएएन के कुल बेड़े का आकार श्85 गश्ती लड़ाकों और शिल्प को शामिल नहीं करता है जो एंटी.शिप क्रूज मिसाइल ;एएससीएमद्ध ले जाते हैं।श

भारतीय नौसेना को मजबूत करने के लिए भारत को आने वाले वर्षों में तेजी से पूंजीगत बजट को बढ़ाना होगाए अपने बेड़े को विस्तारित करना होगाए और आधुनिकीकरण की गति तेज करनी होगी ताकि आकार में दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना शक्तिए चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी ;पीएलएएनद्ध से हिंद महासागर तथा प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते खतरों का मुकाबला किया जा सके। सरकार को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि पीएलएएन भारतीय नौसेना से चार गुना बड़ा और मजबूत है। यह सच है कि इस वित्तीय वर्ष में पहली बार भारतीय नौसेना का पूंजीगत व्यय लक्ष्य 45 प्रतिशत तक बढ़ाया गया हैए परन्तु आगे भी इसे बढ़ाने की आवश्यकता है।

पिछले साल के 21000 करोड़ की तुलना में 2022.23 के लिए अकेले जहाजों और उपकरणों के लिए बजट आबंटन 35ए452 करोड़ रुपये था। कुल पूंजी परिव्यय का 75 प्रतिशत इसके बेड़े के लिए निर्धारित किया गया हैए जिसमें युद्धपोतए पनडुब्बी और अन्य उपकरण शामिल हैं। देश के नौसैनिक बल को 2023.24 और उसके बाद भी इसी तरह के बजट की जरूरत है। भारतीय नौसेना को इस क्षेत्र में बढ़ते पीएलएएन के खतरे का सामना करने के लिए अपनी क्षमता को मजबूती से बढ़ाने की आवश्यकता हैए विशेष रूप से भारत के तीन महासागर साझा करने वाले पड़ोसियों–बांग्लादेशए श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ उसके बढ़ते सैन्य गठबंधन के संदर्भ में।

दुर्भाग्य सेए भारतीय नौसेना को वह प्राथमिकता नहीं मिलीए जिसकी वह पहले के वर्षों में सरकार से हकदार थी। भारतीय नौसेना की वर्तमान बेड़े की ताकत उत्तर कोरियाए कोलंबियाए मिस्रए थाईलैंड और ईरान की तुलना में भी कम है।

2020 तकए भारतीय नौसेना की वास्तविक बेड़े की ताकत की तुलना में पीएलएएन के बेड़े का आकार ;विमान वाहक और पनडुब्बियों सहित 777 युद्धपोतद्ध काफी बड़ा था। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएएन के कुल बेड़े का आकार 85 गश्ती लड़ाकों और शिल्प को शामिल नहीं करता है जो एंटी.शिप क्रूज मिसाइल ;एएससीएमद्ध ले जाते हैं।श

आने वाले वित्तीय वर्षों में भारतीय नौसेना के लिए एक ब पर बजट आबंटन मौजूदा जहाजों और पनडुब्बियों को आधुनिक बनाने में मदद करेगा और इसके बेड़े के आकार को भी बढ़ायेगा क्योंकि चीन अपनी नौसैनिक पहुंच को और बढ़ा देगा। अमेरिकाए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी अत्याधुनिक नौसैनिक शक्तियों के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी–चतुर्भुज सुरक्षा संवाद ;क्वाडद्ध के सभी सदस्य.बहुत कम मूल्य की होगी यदि भारतीय नौसेना स्वयं पर्याप्त मजबूत नहीं है। हालांकि अमेरिकी बेड़े का आकार ;490 जहाजद्ध चीन की तुलना में छोटा हैए यह घातक शक्ति में पीएलएएन की तुलना में काफी मजबूत है। वास्तव मेंए अमेरिकी नौसेनाए मारक क्षमता के मामले मेंए विमान वाहक और पनडुब्बियों की बेजोड़ ताकत के साथ सबसे आधुनिक और बहुमुखी मानी जाती है।

वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न वारशिप्स 2023 अमेरिकी नौसेना को दुनिया की सबसे मजबूत नौसैनिक शक्ति मानती हैए इसके बाद पीएलएएन, रूसी नौसेना, इंडोनेशियाई नौसेना, कोरिया गणराज्य की नौसेना, जापान समुद्री आत्मरक्षा बल और भारतीय नौसेना का स्थान है। अमेरिकी नौसेना के पास 11 विमान वाहकए 10 हेलीकॉप्टर वाहकए 68 पनडुब्बी और 92 विध्वंसक हैं। केवल पीएलएएन के पास अधिक पनडुब्बियां ;79द्ध हैं।

रूस में 64 पनडुब्बियां हैं। चीन के 50 और रूस के 15 के मुकाबले अमेरिका के पास 92 विध्वंसक हैं।

हालांकि ये अनुमान हमेशा अन्य वैश्विक श्नेवल वॉचश् रिपोर्ट से मेल नहीं खाते। इसके अलावाए श्सबसे बड़े श् नौसैनिक बलों का मतलब श्सबसे शक्तिशालीश् बलों से नहीं है।

विभिन्न श्नौसेना निगरानीश् एजेंसियां इस बारे में विपरीत दिशानिर्देश देती हैं कि वे किस प्रकार के जहाज को किसी देश की नौसेना का हिस्सा मानते हैं। उदाहरण के लिएए चीन की नौसेना में इससे100 से अधिक होवरक्रा ट शामिल हैंए जिन्हें नौसैनिक जहाज माना भी जा सकता है और नहीं भी। आधुनिक नौसैनिक बल अक्सर न केवल सक्रिय ड्यूटी पर कमीशन किये गये जहाजों को शामिल करते हैंए बल्कि गैर.कमीशन वाले जहाजोंए सहायक जहाजोंए आरक्षित बेड़े और यहां तक कि निर्माणाधीन जहाजों को भी शामिल करते हैं। ऐसी गणनाओं में हो सकता है किसी देश की नौसेना के जहाजों की सं या पर प्रभाव का अनुमान है।

आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसारए भारतीय नौसेना के पास 150 युद्धपोत और पनडुब्बियांए चार ईंधन टैंकरए एक जवाबी पोतए 24 जलपोतए पनडुब्बीरोधी युद्धक उथले जल जहाज, 17 हमलावर पनडुब्बियांए एक बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बीए 14 फ्रिगेट, 10 विध्वंसक, तथा 300 विमान हैं। आठ लैंडिंग शिप टैंकए एक उभयचर परिवहन डॉकए दो विमान वाहकए विभिन्न छोटी पेट्रोल नौकाएंए पूरक जहाज भी हैं। भारतीय नौसेना के पास लगभग 75000 रिजर्व और 67000 से अधिक सक्रिय कर्मी हैं। इसके पास अंडमान और निकोबार द्वीप समूहए पश्चिम बंगालए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्रए गोवाए कर्नाटक और गुजरात में पूरी तरह से सुसज्जित और प्रशिक्षण आधार हैं।

इन आधारों से गोला.बारूद समर्थनए रसद और रखरखाव सहायताए समुद्री कमांडो आधारए वायु स्टेशनए आगे संचालन आधारए पनडुब्बी और मिसाइल नाव आधारए मिसाइल रक्षा और तटीय रक्षा प्रदान करने वाले हैं। भारत की नौसेना जल्द ही एक मजबूत वैश्विक नौसैनिक शक्ति बनने की आकांक्षा रखती है।

नेशनल इन्टरेस्ट डॉट ऑर्ग पर सैन्य विश्लेषकों की 2021 की एक रिपोर्ट में 2030 में दुनिया की पांच शीर्ष नौसेनाओं का अनुमान लगाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इसने भारतीय नौसेना को रूस से आगे चौथे स्थान पर रखा। यह रिपोर्ट अगले आठ वर्षों में भारतीय नौसेना के विस्तार के बारे में अति.आशावादी है। अमेरिकी नौसेना नंबर 1 हैए उसके बाद ब्रिटिश नौसेना और चीनी नौसेना है। विश्लेषकों को उ मीद है कि टन भार और तकनीकी प्रगति के बेजोड़ संयोजन के कारण अमेरिका प्रमुख वैश्विक नौसैनिक शक्ति बना रहेगा।

अमेरिकी नौसेना के पास न केवल बहुत से जहाज़ हैंए बल्कि इसके पास कई विशालए अत्याधुनिक जहाज़ भी हैं। यूके के जहाजों की कुल सं या में कमी आने की उ मीद है। दो नये विमान वाहकों को जोड़ने और इसके पनडुब्बी बेड़े में वृद्धि से ब्रिटेन को नंबर 2 समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित होना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपनी नौसैनिक उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और उसके पास 2030 तक तीन ऑपरेटिंग विमान वाहक होने चाहिएए जो सामूहिक रूप से 110.120 विमानों को तैनात करने में सक्षम हों। आधिकारिक रिपोर्टों से पता चलता है कि भारतीय नौसेना के पास विभिन्न प्रकार के 45 पोत निर्माणाधीन हैं।

इनमें विध्वंसक, फ्रिगेट, जलपोत, पारंपरिक और परमाणु.संचालित पनडुब्बियां शामिल हैं। योजना 2050 तक 200 युद्धपोतों और 500 विमानों की एक मजबूत नौसेना बनाने की है। चीन की आक्रामक मुद्रा और भारत.प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए समय सीमा काफी लंबी प्रतीत होती है। सरकार को वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने विस्तार कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए भारतीय नौसेना को वार्षिक पूंजीगत व्यय निधि सहायता जारी रखनी चाहिए।

तू नया है तो दिखा सुबह नई शाम नई

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

इस हिंसा को उकसाते हुए सभी लड़कियों के साथ लड़कों की भी सुरक्षा भूल रहे हैं या इन अपराधों से आंखें मूंदे हुए हैं। बलात्कार के चालीस फीसदी केस वास्तव में बलात्कार के नहीं होते। ये वे मामले हैं जिनमें परिवार उन पुरुषों को बलात्कार के इल्ज़ाम में मुकदमे दायर करता है जिनसे परिवार की बेटियां या तो शादी कर चुकी होती हैं या करना चाहती हैं। परिवार हर कीमत पर इन शादियों को निरस्त कर लड़की को बरामद करना चाहते हैं। क्या यह महज संयोग है कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी दो स्त्रियां जिनमें एक सांसद और दूसरी मंत्री हैंए एक ही समय में कहती हैं कि श्आत्मरक्षा के लिए हथियार रखो और अपने घर में रखे सब्जी काटने वाले चाकू की धार इतनी तेज़ करा लो ताकि वक्त आने पर दुश्मन के सर काट सकोघ्श् किसके लिए करने हैं ये हथियार धारदारघ् क्या किसी भी बंदूक की गोली या हथियार पर लिखा होता है कि वह किसकी जान लेगीघ् क्या यह तय है कि ये हथियार चुन.चुनकर निशाना साधेंगे और समाज में हिंसा के बाद फिर संस्कार पर लौट आएगाघ् क्या ऐसे संस्कारित होंगी देश की लड़कियां जिनकी बात सांसद महोदया करती हैंघ् आखिर क्यों ज़ि मेदार पदों पर बैठे इन लोगों को संसदए सरकार और देश की व्यवस्था से कोई उ मीद नहीं है जो ये भीड़ को उकसा.उकसाकर हिंसक हो जाने के लिए कह रहे हैंघ्

देश के कानून में ऐसी नफ़रती और घृणा फैलाने वाली भाषा के लिए कोई जगह नहीं हैए लेकिन फिर भी शासन.प्रशासन सब मूक बने हुए हैं और जो कोई एफआईआर कराना भी चाहता है तो क्षेत्र का एसपी कहता है कि आपको थाने आना पड़ेगा। यानी सबकी कोशिश है कि ऐसी घृणित बयानबाज़ी करने वालों को पूरा संरक्षण देना हैए कवच प्रदान करना है। क्या यह संरक्षण तब भी मिलेगा जब संसद किसी अलग दल और अलग पार्टी का होघ् शायद नहीं! ऐसे वक्त में तमाम व्यवस्था सही दिशा में काम करने लगती है। अपने लिए मनमानी और दूसरों के लिए क़ानूनी। क्या ऐसे ही दृश्यों का साक्षी नहीं हो रहा है देश इन दिनोंघ् भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर कर्नाटक के शिमोगा में और मध्यप्रदेश की पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर भोपाल में कह जाती हैं कि श्आत्मरक्षा के लिए हथियार रखो।श

सिलसिला चल पड़ा है और अब मध्यप्रदेश के एक और भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी यही घोषणा बुलंद कर दी है। प्रज्ञा ठाकुर तो पहले भी अपने बयानों से प्रधानमंत्री मोदी को दुखी कर चुकी हैं। प्रज्ञा पहले महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोड़से को देशभक्त बता चुकी हैं। तब प्रधानमंत्री ने कहा था कि श्भले ही नाथूराम गोड़से को देशभक्त बताने की बात पर प्रज्ञा माफी मांग चुकी हो लेकिन मैं उन्हें कभी हृदय से क्षमा नहीं कर पाऊंगा।श् अब प्रज्ञा हैं कि दुख बढ़ाती ही चली जा रही हैं। मुंबई बम विस्फोट में शहीद महाराष्ट्र के एटीएस चीफ हेमंत करकरे के लिए प्रज्ञा कहती हैं. श्वे अपने शाप की वजह से मरे।श् करकरे चाहते तो मुंबई पर आतंकी हमले के वक्त नीचे आर्डर पास कर सकते थे लेकिन उन्होंने मोर्चा खुद संभाला।

अपेक्षाकृत कमज़ोर बुलेटप्रूफ हेलमेट जो उनका नहीं था और रायफल के साथ मैदान में कूद पड़े। सीने पर गोलियां खाईं। ये तथ्य उस समय की तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में हैं। वही हेमंत करकरे मालेगांव बम विस्फोट कांड की भी जांच कर रहे थे जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक आरोपी थीं। सवाल यही है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुखर विरोध करने वाली पार्टी यहां जान की बाज़ी लगा देने वालों के लिए पूर्वाग्रही कैसे हो जाती हैय और फिर यह कैसा दर्द है जो उन्हीं प्रज्ञा को 2019 में भोपाल से लोकसभा का टिकट दिलवा देता हैए उन्हें सांसद बना देता है। आप कहेंगे कि सांसद तो जनता ने बनाया। उसने जिताया बेशक जनता जो वोट देती हैए ज़ि मेदार है। यहां इस क्रोनोलॉजी पर भी निगाह डालने की ज़रूरत है कि गुजरात में जो बिलकिस बानो दंगों के दौरान बलात्कार और परिजनों की हत्या का शिकार होती हैं उसके सजाया ता अपराधी रिहा कर दिए जाते हैं और जो सांसद कहती हैं कि श्अपनी बेटियों को सुरक्षित रखोए अपनी बेटियों को संस्कारित करोए अपने घर में हथियार रखोए कुछ नहीं तो सब्जी काटने वाला चाकू ज़रा तेज रखो! स्पष्ट बोल रही हूं कि हमारे घरों में भी सब्ज़ी काटने के लिए जो चाकू है उसे तेज़ रखो। जो सब्जी अच्छे से कटेगी तो दुश्मनों के सर भी अच्छे से कटेंगे।

उन्होंने हमारे कार्यकर्ताओं को चाकू से गोदा हैण्ण्।श् सरेआम हिंसा के लिए उकसाने वाले इस वक्तव्य में एक और बात अन्तर्निहित है कि अगर लड़कियां कभी अपने मन की करें तो उन्हें रोकने में आप हिंसा करने में ज़रा भी संकोच ना करें। इस तरह के धारदार चाकू दुश्मनों पर कितने चल रहे हैं उसका तो आंकड़ा फ़िलहाल नहीं है लेकिन प्रेम करने वाली लड़कियां मारी जा रही हैंए काटी जा रही हैं और इतने संताप में हैं कि खुदकुशी भी कर रही हैं। हाल ही में एक अभिनेत्री की आत्महत्या की वजह उसका वह रिश्ता था जिसमें श्रद्धा और आफ़ताब के प्रकरण का डर बैठने के बाद उनके रिश्ते में तनाव आ गया था। ऐसे उकसाने वाले भाषणों से परिवार और समाज में लड़कियों का जीना मुश्किल हो रहा है।

ऑनर किलिंग के नाम पर परिवार अपने बच्चों के साथ हिंसा से भी नहीं चूक रहे। व्यवस्था न केवल चुप रहकर सब देख रही है बल्कि बीच.बीच में ताली भी पीट देती है। यह हरकत किसी के दर्द में ढोल बजाने से भी बुरी मालूम होती है। बाईस साल की निरुपमा पत्रकार थी और प्रियभान्शु रंजन नाम के हमपेशा लड़के को हमसफ़र बनाना चाहती थी। लड़की ब्राह्मण और लड़का कायस्थ। दोनों दिल्ली में थे। छोटे शहरों से झोला उठाकर चलने वाले लड़के.लड़कों में माता.पिता तमाम वाब भर देते हैं लेकिन उसका अहम हिस्सा अपने कब्ज़े में रखना चाहते हैं। खूब पढ़ोए अच्छा जॉब चुनोए ज्यादा कमाओ लेकिन जीवनसाथीघ् वह मत चुनो। बेटी को खुला आसमान देने वाले पढ़े.लिखे अभिभावक भी यहां पहुंचकर उनके पंख कतरना चाहते हैं। झुमरीतलैयाए बिहार की निरुपमा के साथ भी यही हुआ।

पुलिस ने परिजनों को गिर तार करते हुए आरोप लगाया कि उसने खुदकुशी नहीं कीए उसकी गला दबाकर हत्या की गयी थी। वह दस ह ते के गर्भ से थी। दरअसलए हर मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार बच्चों की शादी के ज़रिये यह साबित करते हैं कि हमारे बच्चों पर हमारी कितनी नकेल है। अपने बच्चों को जी.जान से पालने वाले आखिर इतने कटु और स त क्यों हो जाते हैंघ् इसलिए क्योंकि नेता और इनकी व्यवस्था इन बच्चों की रक्षा करने का आश्वासन नहीं देतीघ् सब जानते हैं कि विशेष विवाह अधिनियम कमज़ोर किया जा रहा है।

इस हिंसा को उकसाते हुए सभी लड़कियों के साथ लड़कों की भी सुरक्षा भूल रहे हैं या इन अपराधों से आंखें मूंदे हुए हैं। बलात्कार के चालीस फीसदी केस वास्तव में बलात्कार के नहीं होते। ये वे मामले हैं जिनमें परिवार उन पुरुषों को बलात्कार के इल्ज़ाम में मुकदमे दायर करता है जिनसे परिवार की बेटियां या तो शादी कर चुकी होती हैं या करना चाहती हैं। परिवार हर कीमत पर इन शादियों को निरस्त कर लड़की को बरामद करना चाहते हैं और लड़कों को सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं। ये लड़कियां कभी घरों में कैद कर दी जाती हैं तो कभी नारी निकेतनों में। यह सोच ही बहुत बचकानी है कि लड़कियां सुरक्षित हो जाएंगी। वह परिवार जिसका बेटा महज़ प्रेम करने के जुर्म में बलात्कार या अपहरण की सज़ा भुगत रहा होगा क्या वह चैन से जी सकता हैघ्

भीड़ को उकसाने वाले इसका जवाब देंगे। कैसा अकेला और डरा हुआ समाज होगा वह जहां प्रेम और सद्भाव का पूरी तरह अभाव होगा और हर बेटी के मां.बाप केवल चाकू की धार तेज करने में ही लगे होंगे। जिन विचाराधीन कैदियों से भारत की जेलें भरी पड़ी हैं उनमें बड़ी सं या में ऐसे लड़के हैं और बाहर घुटन में जीतीं वे लड़कियांए समझौते का जीवन गुज़ारती हुई। जात.बिरादरी से दूरी और नफ़रत ने समूचे समाज के सद्भाव में गहरा घाव कर दिया है और ये नेता जब.तब इस घाव को कुरेदते रहते हैं।

हैरत की बात है कि राजनीतिक दल ने घृणा की यह भाषा महिला नेताओं के हिस्से में डाल दी हैए वह भी निर्वाचित नेता के। क्या यह भी सोचा समझा हुआ है कि सद्भावना और प्रेम में यकीन रखने वाली स्त्री के मुख से ऐसी कटु बातें कहलवाई जाएं। भारत की सबसे बड़ी और लोकप्रिय पार्टी को आखिर क्यों इन हिंसक भाषणों का सहारा लेना चाहिएघ् क्या उसे अपनी लोकप्रियता पर शक है या उसकी इस लोकप्रियता का आधार कमज़ोर हैघ् जब सत्ता इस कदर असुरक्षित रहेगी तो नागरिक को उसके सुरक्षित रखने का आश्वासन राज्य की ओर से कैसे दिया जा सकता हैघ् क्या जनता नए साल में अपने लिए कुछ बेहतर और नए की उ मीद कर सकती। फ़ैज़ा लुधियानवी का शेर है.

तू नया है तो दिखा सुबह नईए शाम नईए

वरना इन आंखों ने देखे हैं नए साल कई।।

विविध समाचार

अब होनहार और मेधावी बच्चों की अंतर्राष्ट्रीय पढ़ाई के लिए आर्थिक तंगी नहीं बनेगी रुकावट

चंडीगढ ३१/०३ (संवाददाता): पंजाब की मिट्टी का कर्ज चुकाने और यहां के होनहार युवाओं के सपनों को पंख लगाने के मकसद से, समाजसेवी और ऑस्ट्रेलिया के सफल शिक्षाविद् गैरी मल्होत्रा ने एक ऐसा ऐतिहासिक कदम उठाया है, जो अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। यूनिवर्सल बिजनेस स्कूल सिडनी ऑस्ट्रेलिया के मंच से उन्होंने पंजाब के मेधावी छात्रों के लिए वे रास्ते खोल दिए हैं, जिन पर चलने से उन्हें पैसे की तंगी हमेशा रोकती थी।

चंडीगढ़ में आयोजित एक समारोह में प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों, चिंतकों, प्रोफेसरों, प्रिंसिपलों, शिक्षकों और नामी कलाकारों ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर ग्रुप कॉलेज ऑस्ट्रेलिया और यूबीएसएस ऑस्ट्रेलिया के प्रेसिडेंट गैरी मल्होत्रा ने कहा कि पंजाब की असली ताकत इसकी जवानी है, और यदि इस जवानी को सही अवसर दिया जाए तो वह दुनिया फतह कर सकती है। इसी सोच के मद्देनजर यूबीएसएस द्वारा होनहार छात्रों के हितों की रक्षा करने वाले कई प्रोग्राम लॉन्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस नेक मिशन की आवाज पंजाब के कोने–कोने तक पहुंचाने के लिए, लोकप्रिय अभिनेता गुरप्रीत घुग्गी को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। घुग्गी साहब का व्यक्तित्व इस बात का गवाह है कि साधारण घरों के बच्चे भी बड़े सपने देख और पूरे कर सकते हैं। इस अवसर पर गैरी मल्होत्रा के विजन के तहत, न्ठै ऑस्ट्रेलिया ने भारत की शान प्प्ज रोपड़ के साथ हाथ मिलाया है। यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि पंजाब के छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा और तकनीकी ज्ञान मिले, ताकि वे दुनिया के किसी भी कोने में अपनी काबिलियत का लोहा मनवा सकें। उन्होंने बताया कि यूबीएसएस द्वारा जरूरतमंद, मेधावी और होनहार छात्रों और उनके माता–पिता की एक बड़ी चिंता को खत्म करने का प्रयास किया गया है। जिसके तहत '100: सेल्फ–स्पॉन्सर प्रोग्राम' छात्रों को बिना किसी गारंटी के पढ़ाई करने का अवसर देगा। यह एक भरोसा है कि आपकी काबिलियत ही आपकी सबसे बड़ी गारंटी है। अपनी समाजसेवी संस्था 'हेल्पिंग हैंड' के माध्यम से उन्होंने 25 ऐसे मेधावी छात्रों को सालाना 100: स्कॉलरशिप देने का प्रण किया है, जिनकी गरीबी उनके सपनों के रास्ते में आती है। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि गरीबी किसी हीरे की चमक को फीका न कर सके। इस मौके पर गुरप्रीत घुग्गी ने कहा कि मेरे लिए यह बहुत गर्व की बात है कि मैं गैरी मल्होत्रा जैसे युवा और दूरदर्शी उद्यमी के नेक मिशन से जुड़ा हूं। मलेरकोटला के एक छोटे से गांव से उठकर गैरी मल्होत्रा ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, मेलबर्न और एडिलेड शहरों में करीब एक दर्जन शिक्षण संस्थान स्थापित करके सबसे बड़े ग्रुप का रुतबा हासिल किया है। मैं एक सरकारी स्कूल का पढ़ा हुआ हूं और मैंने अपनी आंखों से देखा है कि कैसे अवसरों की कमी के कारण मुझसे कहीं ज्यादा होशियार और काबिल बच्चे जिंदगी की दौड़ में पीछे रह गए। जिनके दिमाग की दहशत पूरे स्कूल में होती थी, उन्हें घर की आर्थिक तंगी ने पढ़ाई छोड़कर पकौड़े बेचने या छोटी–मोटी दुकानों पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया। उनकी प्रतिभा में कोई कमी नहीं थी, कमी थी तो सिर्फ एक 'अवसर' की, जो उन्हें कभी नहीं मिला। आज गैरी मल्होत्रा वही 'अवसर' बनकर आए हैं।

उनका 'सेल्फ–स्पॉन्सर' प्रोग्राम एक क्रांति है, जो हजारों माता–पिता के सिर से वह बोझ उतार देता है जो उन्हें अपने बच्चों के सपने पूरे करने से रोकता था। इससे छात्र, खासकर हमारी बेटियां, आत्मनिर्भर बनती हैं, क्योंकि जब एक बेटी पढ़ती है तो पूरा परिवार तरक्की करता है। इसके अलावा, उन 25 जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 'हेल्पिंग हैंड' संस्था के माध्यम से 100 प्रतिशत स्पॉन्सरशिप देना बड़ी सोच का प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के इच्छुक पंजाब के छात्रों के लिए सीधे दाखिले वाला प्रोग्राम छात्रों और माता–पिता के लिए बड़ी आर्थिक राहत और सुरक्षा बनेगा। गुरप्रीत सिंह ने कहा कि मैं इस महान मिशन का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करता हूं। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने कहा कि आज एक शिक्षा शास्त्री होने के नाते मुझे गैरी मल्होत्रा और उनकी टीम द्वारा किए गए इस अनूठे प्रयास को देखकर बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं उन्हें इस अनूठी पहल के लिए बधाई देता हूं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि पंजाब की धरती का एक नौजवान, जिसने खुद संघर्ष करके विदेश में सफलता हासिल की, आज अपनी मिट्टी का कर्ज चुकाने के लिए वापस लौटा है और यहां के युवाओं का भविष्य संवारने का बीड़ा उठाया है। पिछले 25 सालों से छात्रों के साथ काम करते हुए मैं एक बात पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि हमारे पंजाबी युवाओं में न तो हिम्मत की कमी है और न ही जज्बे की। अगर किसी चीज की कमी है तो वह है सही अवसरों की। जब भी उन्हें अवसर मिला है, उन्होंने देश–विदेश में पंजाब का नाम रोशन किया है। पर दुख की बात यह है कि सही अवसर और सही राह न मिलने के कारण, हमारे बहुत सारे नौजवान 'डंकी रूट' के अंधेरे में खो जाते हैं।

मुझे खुशी है कि वह स्कॉलरशिप और जरूरतमंद बच्चों को गोद लेकर उनकी भी मदद कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। इस मौके पर नामी शिक्षा शास्त्री कंवलजीत सिंह ढींडसा ने कहा कि गैरी मल्होत्रा ने गांव के सरकारी स्कूल से सफर शुरू करके ऑस्ट्रेलिया में सफलता की बुलंदियों को छुआ है। गैरी मल्होत्रा द्वारा 'हेल्पिंग हैंड' संस्था के माध्यम से शुरू किए गए प्रोजेक्ट सिर्फ कारोबार नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक बड़ी देन हैं। उनके तीन मुख्य प्रयास विशेष रूप से प्रशंसनीय हैं :

100% सेल्फ–स्पॉन्सरशिप (पहले पढ़ो, कमाओ और फिर फीस दो)रू यह एक अनूठी और बहुत ही असरदार सोच है, जिससे काबिल छात्रों पर पढ़ाई के दौरान फीस का कोई बोझ नहीं रहेगा। यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी मेधावी बच्चा पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। संस्था से सीधा संपकर्रू छात्रों को सीधे इंस्टीट्यूट से जोड़ने का तरीका पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वास पैदा करता है। इससे छात्रों को फीस और खर्चों में बचत और पारदर्शिता मिलती है, जिससे वे गुमराह होने से बच जाते हैं।

गरीब और मेधावी बच्चों के लिए मुफ्त अंतर्राष्ट्रीय शिक्षारू बुद्धिमान बच्चों को 100 प्रतिशत स्पॉन्सरशिप के माध्यम से मुफ्त पढ़ाई करवा कर उनके भविष्य को संवारना है। गैरी मल्होत्रा, गुरप्रीत घुग्गी, सतनाम संधू जैसी शख्सियतें हमारे समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से उठकर बड़ी मंजिलें हासिल की हैं। मुझे पूरा यकीन है कि गैरी मल्होत्रा का यह नेक प्रयास पंजाब के हजारों युवाओं का भविष्य रोशन करेगा। मैं इस शानदार प्रोजेक्ट के लिए उन्हें दिल से मुबारकबाद देता हूं और कामना करता हूं कि वह इस मिशन को और भी दिलेरी और हौसले के साथ आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर यूबीएसएस और जीसीए ऑस्ट्रेलिया के वाइस चांसलर प्रो. एलन बोयल जेम्स, पूर्व वाइस चांसलर डॉ. बी.एस घुम्मन, अमेरिका के सफल कारोबारी राजा बोपाराय, मुख्यमंत्री पंजाब के पूर्व ओएसडी मनजीत सिंह सिद्धू, आईआईटी रोपड़ की सीईओ राधिका तरिखा समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया। जबकि कार्यक्रम में पंजाब महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल, नामी अभिनेत्री और समाजसेवी सोनिया मान, गायक मनकीरत औलख, करमजीत अनमोल, सलीम सिकंदर, फिल्म अभिनेता कुलतार चीमा, लव गिल और बनिंदर बनी, स्वदेश, जरनैल सिंह, आईबीसी चंडीगढ़ से प्रोफेसर रौणकी राम, होप ट्रेनिंग कॉलेज के ऑस्ट्रेलियन रॉबी बैनीपाल, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से डॉ. गुरमुख सिंह उपस्थित थे।

युद्ध नशों विरुद्ध : नशामुक्त पंजाब का सपना हो रहा पूरा

चंडीगढ ३१/०३ (संवाददाता): पंजाब को नशामुक्त बनाने का जो संकल्प मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने लिया है उस संकल्प की पूर्ति के लिए युद्ध नशेयां विरुद्ध अभियान शुरू किया गया। इस अभियान ने करोड़ों परिवारों के मन में यह आस जगा दी है कि पंजाब नशामुक्ति की तरफ बढ़ चुका है और अब हमारा प्रदेश अब नशे के कलंक को धो चुका है। बीते एक मार्च को मान सरकार ने नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए युद्ध नशे दे विरुद्ध लांच किया। पंजाब पुलिस के प्रभावी कदमों से इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पंजाब से नशे के कारोबारियों का समूल विनाश किया जा रहा है। युद्ध नशों विरुद्ध के तहत जहां नशा तस्करों के घरों पर बुल्डोजर चलाए गए वहीं नशेड़ी युवाओं के पुनर्वास के लिए सरकार ने अहम कदम उठाए। इन कदमों की बदौलत अब रंगले पंजाब का सपना पूरा होता दिख रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान का स्पष्ट कहना है कि किसी के घर का चिराग बुझाकर अगर कोई तस्कर ये सोचता है कि वे अपने घर को सुंदर लाइटिंग से सजा लेगा तो ये उसकी गलतफहमी है। नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आंकड़ों की बात करें तो पंजाब में मादक पदार्थों के खिलाफ जारी राज्य–व्यापी अभियान के तहत अब तक 22 हजार से ज्यादा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 138 दिनों में गिरफ्तारियों की संख्या 22,377 तक पहुंच गई। राज्य सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कैबिनेट उप–समिति का गठन किया है जो मादक पदार्थों के विरुद्ध इस अभियान पर नजर रख रही है। राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए तीन–आयामी रणनीति दृ प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) दृ लागू की गई है। पंजाब के कई जिलों में पंचायत स्तर पर नशा तस्कर और अपराधियों का बहिष्कार करने की बात हो ही है। इस तरह के फैसले ड्रग के खिलाफ लड़ाई को मजबूती दे रहे हैं। नशे का व्यापार करने वाले के खिलाफ शुरू किए गए राज्यव्यापी अभियान में मान सरकार को अब आमजन का भी साथ मिल रहा है। पंजाब पुलिस ने नशे के सौदागरों को खिलाफ जमकर अभियान चलाया है और इसमें बड़ी सफलता मिली है। नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चल रहे हैं। किसी ने नहीं सोचा होगा कि ऐसा समय भी आएगा, जब तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाएंगे। पहले रिहैबिलिटेशन सेंटरों का बहुत बुरा हाल था। वहां लोगों को चेन से बांधकर कर रखा जाता था, उन्हें मारा–पीटा जाता था। अब यह सिस्टम खत्म हो गया है। अब सारे नशामुक्ति केंद्र वातानुकूलित बना दिए गए हैं और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। राज्य सरकार ने नोशों की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है और अब वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब में से नशों का मुकम्मल खात्मा हो जाएगा। नशा मुक्ति यात्रा के तहत राज्य के हर गाँव और कस्बे तक पहुँच की जा रही है ताकि नशों के विरुद्ध इस जंग में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करके पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाया जा सके।

पंजाब के स्कूलों में बच्चों को जल्द मिलेगा ब्रेकफास्ट, सीएम मान बोले– कैबिनेट में लाएंगे प्रस्ताव

चंडीगढ़ ३१/०३ (संवाददाता): तमिलनाडु दौरे पर गए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में जल्द ही 'ब्रेकफास्ट स्कीम' शुरू की जाएगी। सीएम मान ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ मिलकर शहरी प्राथमिक स्कूलों में चल रही ब्रेकफास्ट स्कीम का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर नाश्ता भी किया। मान ने कहा कि पंजाब सरकार इस योजना को लागू करने पर कैबिनेट में चर्चा करेगी। उनका कहना था कि इससे बच्चों की पोषण स्थिति और शिक्षा दोनों को लाभ होगा। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। मान ने कहा कि "देश में नेता जुमलेबाजी कर रहे हैं, लेकिन अच्छे दिन अभी तक नहीं आए। सच ही हमेशा आगे चलता है, भाषणों से देश नहीं बनता।" मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी है और राज्य में अनाज की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तमिलनाडु का खाना राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो चुका है। पंजाब के हर कस्बे में मसाला डोसा, उपमा और पानीपुरी आसानी से मिल जाते हैं। हालांकि, पंजाबी खाना थोड़ा भारी माना जाता है।

पंजाब में चिंता का विषय बन रही है ह्रदय रोगी बच्चों की बढ़ती संख्या

चंडीगढ़ ३१/०३ (संवाददाता): आर.टी.आई इंफॉर्मेशन के अनुसार पंजाब में ह्रदय रोग से पीड़ित बच्चों का इलाज का दायित्व पंजाब सरकार स्वयं उठा रही है। जो बच्चे ह्रदय रोग से पीड़ित हैं ,उनके लिए यह सरकार बड़ी राहत के रूप में आ रही है। पिछले तीन वर्षों में पंजाब का स्वास्थ्य विभाग ह्रदय रोगी बच्चों के लिए विशेष अभियान चला रहा है। ह्रदय के ब्लॉकेज को खोलने के लिए पंजाब के विशेषज्ञ अस्पतालों से अनुबंध किया है, साथ ही सीरियस केसों के लिए गुरुद्वारे के स्पेशल अस्पतालों से भी अनुबंध किया हुआ है। पंजाब में जिन बच्चों के ह्रदय में ब्लाकेज है, उनके लिए मेट्रो सिटी में खास प्रबंध किए जा रहे हैं, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंजाब की पी.जी.आई में 528 केस अन्य विभागों को ट्रांसफर हो चुके हैं जिनमें 7 फीसदी से ज्यादा अति गंभीर हैं जबकि 93 फीसदी नॉर्मल है। मरीजों की लंबी लिस्ट होने के कारण इनकी बारी आने में 6 से 7 महीने तक लग जाते हैं। वहीं विभिन्न विभिन्न विभागों में काम करने वाले ह्रदय रोग विशेषज्ञ दिनेश चड्ढा का कहना है कि हमारे पास ह्रदय में छेद वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है , जो गंभीर चिंता का विषय है। हम एक दिन में केवल 5 से 6 बच्चों का ही ऑपरेशन कर पाते हैं। अन्य राज्यों से भी यहां ह्दय रोगी बच्चे आते हैं। इसी कारण स्थानीय बच्चों के इलाज में भी समय तो लगता ही है। वहीं डॉक्टर प्रतिभा सिंह का कहना है कि कभी–कभी इमरजेंसी में भी ऑपरेशन करना पड़ता है। आरटीआई में

पंजाब सरकार जो सूचनाएं दे रही है उसको कोर्ट में चौलेंज किया गया है ,स्कूली बच्चों के प्राथमिकता से इलाज के लिए हाईकोर्ट में एक रिट अभी–अभी डाली गई है ,जिसका फैसला अभी आना है। पंजाब के नामी अस्पताल हाईकोर्ट में फर्जी एफिडेविट डाल रहे हैं , जिसका सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा नोटिस लिया, कई प्राइवेट अस्पतालों के लाइसेंस रद्द किए जा रहे हैं ,कई नए अस्पतालों को कुछ महीनों तक रद्द किया जा रहा है। पंजाब के सतगुरु राम गुरु सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल लुधियाना में बच्चों को भर्ती नहीं किया जाता, क्योंकि वह पंजाब सरकार की सरकारी लिस्ट में नहीं है। राष्ट्रीय बाल विकास योजना की गाइडलाइन के अनुसार 31 बीमारियों के लिए बच्चों की स्क्रीनिंग की जाती है। एक बच्चे के दिल के इलाज पर सरकार 70 हजार से एक लाख 20 हजार रुपए खर्च कर रही है। जिन बच्चों के दिल में छेद है ,उनकी स्क्रीनिंग, इलाज और सर्जरी के लिए 18 वर्ष की उम्र होने तक फॉलोअप किया जाता है। आम आदमी पार्टी फिरोजपुर के एक नेता ने कहा कि सरकार की यह स्कीम गरीब लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। गरीब बच्चों को महंगे अस्पतालों में बढ़िया इलाज मिल रहा है ,प्राइवेट हॉस्पिटलों में भी बच्चों का बढ़िया इलाज हो रहा है,दिल की बीमारी से जूझ रहे बच्चों के इलाज का खर्च सरकार स्वयं उठा रही है। वहीं मास्टर मदनलाल का कहना है कि आम आदमी पार्टी का यह अच्छा कदम है ,जिससे समाज के हर वर्ग को मदद मिल रही है। कागजों पर तो सभी योजनाएं अच्छी लगती हैं। यह योजना भी ऐसी ही है। अनेक बच्चों का इस योजना में इलाज भी हुआ है और अब वे स्वस्थ भी हैं लेकिन साथ ही अब यह शिकायत आई है कि इस योजना में भी राजनीतिक दखलंदाजी होने लगी है। अब आरोप है कि विधानसभा के सदस्य बच्चों के ह्दय के छेद को बंद करने के लिए जिनकी सिफारिशें करते है, इलाज में उन्हीं बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है। वहीं पंजाब के कई मेडिकल विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि हमारी रिपोर्ट को कोई महत्व नहीं दिया जाता ।वहीं नूरपुर बेदी के एक स्पेशलिस्ट ने सीधे सीधे भगवंत मान पर आरोप लगाया कि पिछले वर्ष अगस्त में मैंने एक दलित जाति के पांचवी कक्षा के बच्चे की सर्जरी की सिफारिश की थी, लेकिन वहां के विधायक की सिफारिश ना होने के कारण बच्चे की मौत हो गई । जिसके लिए भगवंत मान सरकार को दोषी मानकर उन पर कानूनी कार्रवाई होना चाहिए। बताया गया है कि धर्मकोट के 14 वर्षीय दलित बच्चे को ह्रदय में ब्लाकेज की शिकायत थी, जिसके इलाज के लिए धर्मकोट की पंचायत ने सीधे मुख्यमंत्री मान से अनुरोध किया था ,लेकिन दस महीने तक उसकी फाइल सरकारी दफ्तरों में बंद रही, जिसके कारण समय पर इलाज न मिलने से उस बच्चे की मृत्यु हो गयी। गर्भवती महिलाओं के गलत खानपान, शराब पीने और सिगरेट का सेवन करने से बच्चों के दिल में छेद होने की ज्यादा संभावनाएं होती है । छोटे–छोटे छेदों को सलंग के द्वारा बंद कर दिया जाता है जबकि बड़े–बड़े छेदों को भरने के लिए ओपन हार्ट सर्जरी करनी पड़ती है। वही विशेषज्ञों का कहना है कि पंजाब में 1000 बच्चों के पीछे 6 केस ऐसे आ रहे हैं। इन बाल ह्रदय रोगियों में से कई के पिता को कोई बीमारी नहीं होती। लेकिन यदि मां के ह्रदय में कोई बीमारी है तो उसका प्रभाव बच्चों के शरीर पर पड़ रहा है। यदि माता गर्भावस्था में दवाइयां ले रही है तो उसका असर भी बच्चों पर पड़ सकता है। यह देखा गया है कि यदि परिवार की स्त्रियां सिगरेट और शराब का प्रयोग करती है तो उनके बच्चों को ऐसी समस्या आ सकती है। वहीं डॉक्टर बागी का कहना है कि यदि छोटी उम्र में छेद भर जाए तो ह्रदय का वाल्व सही हो जाता है और बच्चों का विकास भी ठीक होता है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, बुधवार 01 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-6

ओडिशा में दो साल में 97 हजार सिकलसेल के मरीज मिले, अब तक 46.65 लाख लोगों की जांच

भुवनेश्वर ३१/०३ (संवाददाता): राज्य के 21 जिले राष्ट्रीय सिकलसेल रक्तहीनता उन्मूलन मिशन के तहत शामिल किए गए हैं। जुलाई 2023 से 2025-26 की अवधि में राज्य में 46.65 लाख लोगों की जांच की गई। इनमें से 97 हजार 501 संक्रमित पाए गए। यह जानकारी राज्य सरकार की सिकलसेल और थैलेसीमिया प्रबंधन बैठक से मिली है। सिकलसेल रक्तहीनता उन्मूलन मिशन के तहत अनुगुल, बलांगीर, बालेश्वर, बरगढ़, बौद्ध, देवगढ़, गजपति, गंजाम, झारसुगुड़ा, कालाहांडी, कंधमाल, केन्दुझर, कोरापुट, मलकानगिरी, मयूरभंज, नबरंगपुर, नुआपड़ा, रायगढ़ा, संबलपुर, सुबर्णपुर और सुंदरगढ़ जिले शामिल हैं। स्तर पर जांच की सुविधा विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों में जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों की जांच आरबीएसके टीम द्वारा की जा रही है, वहीं गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग एंटी-नेटल केयर के दौरान की जाती है। आदिवासी क्षेत्रों में मोबाइल हेल्थ यूनिट्स के माध्यम से जांच की सुविधा दी गई है। शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिर और स्वास्थ्य केंद्र उपलज़्ध है। प्रत्येक पंजीकृत सिकलसेल रोगी को यात्रा व्यय के लिए उनके बैंक खाते में प्रतिमाह 500 रुपये दिए जा रहे हैं और उन्हें मुज़्त रक्त उपलज़्ध कराया जा रहा है। ज़्लड पैक सर्विस चार्ज से भी उन्हें मुक्त रखा गया है। सरकारी अस्पतालों में मुज़्त दवाइयां उपलज़्ध कराई जा रही हैं। वहीं, 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। स्वास्थ्य सचिव अश्वती एस. की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य में सिकलसेल और थैलेसीमिया की वर्तमान स्थिति, प्रारंभिक पहचान, रोकथाम संबंधी कदम, इलाज की सुविधा और रोगी सेवा की समीक्षा की गई। इसके साथ ही स्क्रीनिंग, जेनेटिक काउंसलिंग और निदान सुविधाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक वृंदा डी., डॉ. विजय महापात्र, स्मिता विश्वाल, डॉ. जितेंद्र बेबरता, डॉ. विश्वमोहन मिश्रा और श्रीकांत माझी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गंभीर

राउरकेला ३१/०३ (संवाददाता): सुंदरगढ़ जिले के हेमगिर थाना अंतर्गत कांधडुड़ा गांव में रविवार की शाम को ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गिर गए। गंभीर अवस्था में उन्हें पहले हेमगिर सरकार अस्पताल फिर वहां से बेहतर इलाज के लिए सुंदरगढ़ अस्पताल स्थानांतरित किया गया है। कांधडुड़ा गांव निवासी 60 वर्षीय नंदलाल भोई रविवार शाम को पैदल सड़क पर जा रहे थे तभी कोयला लेकर जा रहे ट्रेलर की टक्कर से उन्हें गंभीर चोट लगी। गांव वालों को इसका पता चलने के बाद वे वहां पहुंचे और उन्हें लेकर हेमगिर सरकारी अस्पताल गए जहां से नंदलाल को सुंदरगढ़ अस्पताल भेजा गया है।

आरएसपी के ऊर्जा प्रबंधन विभाग में सेल शाबाश पुरस्कार योजना के अंतर्गत कर्मचारियों को किया गया समानित

राउरकेला ३१/०३ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के ऊर्जा प्रबंधन विभाग (ईएमडी) में 16 अगस्त, 2025 को एक समारोह आयोजित किया गया जिसमें विभाग के अधिकारियों सहित 12 कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय योगदान के सज़्मान में %सेल शाबाश% योजना के अंतर्गत सज़्मानित किया गया।

मुज़्य महाप्रबंधक (ईएमडी), श्री पी. एस. कन्नन ने समारोह की अध्यक्षता की और पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर महाप्रबंधक (ईएमडी), श्री ए. एस. खाखा, महाप्रबंधक (ईएमडी), श्री के. के. बारला, महाप्रबंधक (ईएमडी) और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री कन्नन ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रत्येक छोटा सा अभिनव योगदान उच्च उत्पादकता प्राप्त करने, सुरक्षा में सुधार लाने और समग्र परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उल्लेखनीय रूप से, ये पुरस्कार कई उद्यमशील कार्यों के लिए दिए गए, जिनमें बीएफएस5 की शॉट क्रेटिंग के दौरान कुशल ईंधन गैस प्रबंधन, सीपीपी-1 के निकट एनबी2600 व्यास वाली पाइपलाइन को स्थापना के बाद पहली बार प्रतिस्थापित करना आदि शामिल थे। वरिष्ठ प्रबंधक (ईएमडी), श्री हिमांशु मिश्रा ने समारोह का समन्वयन किया।

ओडिशा में आबकारी विभाग की छापेमारी, 77 हजार लीटर अवैध देसी शराब जज़्त

कटक ३१/०३ (संवाददाता): राज्य आबकारी विभाग के निर्देश पर राज्य भर में अवैध शराब के कारोबार पर छापेमारी की है। पिछले चार दिनों के अंदर 1377 आबकारी मामले दर्ज किए गए हैं और उसके तहत को 845 व्यापारियों की गिरज़्तार की गई है। आबकारी विभाग की इस छापेमारी में कुल 76 हजार 789 लीटर देसी शराब और 5 लाख 60 हजार 158 किलोग्राम शराब के इस्तेमाल में आने वाली पोच को जज़्त किया गया है। चोरी के शराब कारोबार में इस्तेमाल होने वाली 78 गाड़ियों को भी जज़्त कर लिया गया हैए जबकि 40 गाड़ी मालिकों की गिरज़्तारी की गई है। दूसरे गाड़ियों के मालिक इस शराब कारोबार में शामिल हैं या नहींए उसकी जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई के लिए फैसला लिया गया है। वहींए जज़्त चोरी की शराब और गाड़ियों की अनुमानित कीमत 9 करोड़ से अधिक रुपये बताई जा रही है। बारगढ़ आबकारी विभाग ने जिले के कई इलाकों में छापेमारी कर 14 मामले दर्ज किए हैंए जबकि 2 हजार 702 लीटर शराब और 37 हजार 780 किलोग्राम ;महुलीद्ध पोच बरामद की है। 3 मोटरसाइकिलें भी जज़्त की गई हैं। उसी तरह नुआपडा जिले में 10 मामले दर्ज किए गए हैं। वहां कुल 426 लीटर देसी शराब और 9 हजार 760 किलोग्राम पोच जज़्त की गई। 10 लोगों को गिरज़्तार कर को 'काट चालान किया गया है। गैरकानूनी तौर पर शराब बेच कर व्यापारियों ने शराब व्यापार से कितनी संपज़ि इकट्ठा की है। इसकी भी जांच पड़ताल की जा रही है। राज्य आबकारी आयुक्त नरसिंह भोल के निर्देश पर एक सप्ताह से राज्य भर में विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। उसी अभियान के चलते इन चार दिनों में आबकारी विभाग को भारी मात्रा में देसी शराब और शराब के तैयारी में इस्तेमाल होने वाली पोच एवं गाडियां बरामद की गई हैं।

जमुना को सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया

बारीपदा ३१/०३ (संवाददाता): महाराष्ट्र के ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से ओडिशा लाई गई ढाई साल की बाघिन जमुना को सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व के मुज़्य क्षेत्र में छोड़ा गया। पशु चिकित्सकों और प्रधान मुज़्य वन संरक्षक सुशांत नंदा की सहमति के बाद एसटीआर अधिकारियों को बाघिन को उसके बाड़े से छोड़ा गया। एसटीआर दक्षिण संभाग के उप निदेशक सम्राट गौड़ा ने बताया कि सुबह.सुबह ही बाघिन के बाड़े का गेट खोल दिया गया था। जमुना सुबह करीब 10 बजे बाड़े से निकलकर जंगल में चली गई। उन्होंने कहा ष्फ्लिहाल बाघिन मुज़्य क्षेत्र में ही है और हम उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

पुरी में सड़क हादसा, दो की मौत

पुरी ३१/०३ (संवाददाता): पुरी जिले के कोणार्क थाना क्षेत्र अंतर्गत जुणेई बाजार के पास बीती देर रात एक सड़क हादसा हो गया।संतुलन खोने के बाद एक कार के आम के पेड़ से टकरा जाने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतक की पहचान भुवनेश्वर के प्रदीप्त बेहरा और कटक जिले के कांटापड़ा के बिश्वजीत साहू के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल चालक की पहचान नियाली प्रखंड के नुआपाटना गांव के तापस साहू के रूप में हुई है।कार बीती रात करीब डेढ़ बजे भुवनेश्वर से कोणार्क जा रही थी। कार का संतुलन जुणेई बाजार के पास बिगड़ गया और सड़क किनारे एक आम के पेड़ से जा टकरा गईए जिससे यह हादसा हुआ है।

पीएफए ने कुज़ों को स्थानांतरित करने के अभियान की निंदा की

भुवनेश्वर ३१/०३ (संवाददाता): प्रवासी भारतीय दिवस ;पीबीडीद्ध के लिए राज्य की राजधानी में आवारा कुज़ों को पकड़कर दूसरे स्थान पर ले जाने का चल रहा अभियान सुप्रीम कोर्ट के दिशा.निर्देशों का उल्लंघन है और इसके परिणामस्वरूप कुज़ों के काटने के मामले बढ़ेंगे, ऐसा गुरुवार को पीपुल फॉर एनिमल्स ;पीएफए ने आरोप लगाया।पशु कल्याण संगठन की राज्य इकाई ने अभियान को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीए मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी और आवास एवं शहरी विकास विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पीएफए ओडिशा के सचिव जीवन बल्लव दास ने आरोप लगाया कि पीबीडी सज़्मेलन से पहले बीएमसी ने सामुदायिक कुज़ों का सामूहिक स्थानांतरण शुरू किया हैए जिसमें कुज़ों को एक स्थान से उठाकर दूसरे स्थान पर छोड़ा जा रहा है। दास ने कहाए ष्कुज़े क्षेत्रीय जानवर हैं। उन्हें उनके अपने स्थान से हटाने से क्षेत्रीय लड़ाई होती है और वे अधिक आक्रामक हो जाते हैं।

सीएम माझी ने कोरापुट के अस्पताल में नए भवन का उद्घाटन किया

कोरापुट ३१/०३ (संवाददाता): ओडिशा के मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कोरापुट में शहीद लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नए भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही अस्पताल में बेड की क्षमता बढ़कर 650 हो गई है। माझी ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार छह लेन वाला राजमार्ग, जयपुर-बर्मापुर-भुवनेश्वर आर्थिक गलियारा विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल का नया भवन 280 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।उन्होंने कहा, राज्य सरकार मेडिकल कॉलेज में सभी सुविधाएं उपलज़्ध करा रही है ताकि कोरापुट और आसपास के इलाकों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। माझी ने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज से मलकानगिरी, नबरंगपुर और रायगढ़ जिलों के लोगों के अलावा पड़ोसी आंध्र प्रदेश और छज़ीसगढ़ के आसपास के इलाकों को भी फायदा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेडिकल कॉलेज में सभी रिक्त पदों को जल्द ही भर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस अस्पताल से सटे दो एकड़ भूखंड पर एक कैंसर उपचार केंद्र भी बनाया जा रहा है। इसके लिए हमारी सरकार लगभग 41.15 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

मुज़्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वर्तमान में 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं तथा ढेंकानाल, भद्रक, जगतसिंहपुर और नवरंगपुर में चार और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत और गोपबंधु जन आरोग्य योजना के तहत कुल 3.46 करोड़ लोगों यानी राज्य की 80 प्रतिशत आबादी को मुज़्त स्वास्थ्य सेवा मिल रही है। उन्होंने कहा, अब तक इन दोनों योजनाओं के तहत लगभग 3.91 लाख लोगों को 900 करोड़ रुपये की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा चुकी हैं।

भुवनेश्वर बाईपास परियोजना को केंद्र सरकार की मंजूरी, सीएम ने जताया पीएम का आभार

भुवनेश्वर ३१/०३ (संवाददाता):ओडिशा की राजधानी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली बहुप्रतीक्षित भुवनेश्वर बाईपास परियोजना को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा की जनता को बधाई दी।उन्होंने एज़्स पर पोस्ट कर लिखा, ओडिशा की जनता, विशेषकर भुवनेश्वर और आसपास के क्षेत्रों को आज कैबिनेट के एक अहम फैसले पर बधाई। यह महत्वपूर्ण परियोजना यातायात जाम कम करेगी और 'इज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देगी।इधर, मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भी प्रधानमंत्री और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितिन गडकरी जी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण रिंग रोड परियोजना को मंजूरी दी। यह ऐतिहासिक परियोजना न केवल कनेज़्टिविटी को मजबूत करेगी बल्कि बड़े शहरों में जाम की समस्या को भी दूर करेगी। साथ ही यह लॉजिस्टिज़्स को बेहतर बनाएगी और ओडिशा व पूर्वी भारत की आर्थिक प्रगति के नए द्वार खोलेगी।

आईजीएच की न्यूरोसर्जरी टीम ने तत्काल रीढ़ की सर्जरी के माध्यम से रोगी की गतिशीलता की बहाल

राउरकेला ३१/०३ (संवाददाता): इस्पात जनरल अस्पताल (आईजीएच), राउरकेला की समर्पित न्यूरोसर्जरी टीम ने एक बार फिर अपनी असाधारण विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए इस आम मिथक को तोड़ दिया है कि रीढ़ की सर्जरी से हमेशा लंबे समय तक रिकवरी होती है। टीम ने एक 41 वर्षीय महिला कर्मचारी की तत्काल लज़्बर स्पाइन सर्जरी सफलतापूर्वक की, जिससे वह प्रक्रिया के अगले ही दिन फिर से चलने में सक्षम हो गई।

मरीज को भर्ती होने से तीन दिन पहले, दोनों पैरों तक फैले गंभीर पीठ दर्द, खड़े होने, चलने, बिस्तर पर करवट लेने में असमर्थता और पेशाब व मल त्यागने में कठिनाई के साथ ऑर्थोपेडिज़्स विभाग में भर्ती कराया गया था। एमआरआई से पता चला कि एल5-एस1 एज़्सट्रूडेड डिस्क कॉडा इक्विना सिंड्रोम का कारण बन रही है, एक ऐसी स्थिति जिसमें तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। उसे तुरंत न्यूरोसर्जरी विभाग में रेफर कर दिया गया, जहाँ तत्काल सर्जरी की योजना बनाई गई। सर्जरी वरिष्ठ सलाहकार (न्यूरोसर्जरी), डॉ. मनोज कुमार देव द्वारा की गई, जिसमें अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोरंजन सामंत्रे द्वारा एनेस्थीसिया सहायता और सिस्टर गोधुली और ब्रदर कमलाकर द्वारा सर्जरी के दौरान सहायता प्रदान की गई। ऑपरेशन के बाद, मरीज़ में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। सर्जरी के अगले ही दिन वह खड़ी और चलने में सक्षम हो गई और ऑपरेशन से पहले की तुलना में लगभग 70त्न आराम मिला। वह वर्तमान में अच्छी तरह से स्वस्थ हो रही हैं। यह उपलज़्धि एक बार फिर आईजीएच की न्यूरोसर्जरी टीम की नैदानिक उत्कृष्टता को पुष्ट करती है, जो राउरकेला और उसके आसपास के रोगियों को उन्नत, जीवन-परिवर्तनकारी देखभाल प्रदान करती रही है।